# प्रकृति महाकुंभ में नाटकों का मंचन

कुम्भ नगर में भा.वा.अ.शि.प.–पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज द्वारा संचालित परिषद के प्रकृति महाकुंभ–वानिकी एवं पर्यावरण जागरूकता शिविर में दिनांक 23.01.2025 को पर्यावरण जागरूकता एवं सामाजिक सन्देश प्रसार के क्रम में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला में नाटकों की प्रस्तुति की गयी। केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह द्वारा शिविर में आए दर्शकों तथा नाट्य कलाकारों का स्वागत करते हुए समाज में जागरूकता बढ़ाने में कलाकारों की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होने कहा कि भिखारियों को भिक्षा देने से व्यसन, शोषण के साथ ही संगठित अपराध में होने वाली वृद्धि के प्रति जागरूकता पैदा करने हेतु किया गया था। इसी क्रम में उन्होने बताया कि नाटक के माध्यम से यह सन्देश दिया गया है कि भिखारियों को पैसे देने के स्थान पर उन्हे विभिन्न सरकारी योजनाओं तथा कौशल विकास से सक्षम बनाकर, उन्हें सरकारी योजनाओं तक पहुंचाने में मदद करके गरीबों के उत्थान में मदद करनी चाहिए। आयोजित नाटक को बैकस्टेज, प्रयागराज के कलाकारों द्वारा प्रस्तुत किये गये। इनमें अमर सिंह, अनुज कुमार, प्रत्युष वर्सने, हीर, प्रदीप कुमार, पिन्टू प्रयागी आदि द्वारा प्रभावशाली ढंग से भूमिकाएं निभायी गयी। कार्यक्रम का संचालन केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनुभा श्रीवास्तव द्वारा किया गया। प्रो. पूनम मित्तल द्वारा धन्यवाद ज्ञापन दिया गया। कार्यक्रम में प्रख्यात रंगकर्मी एवं निर्देशक प्रवीण शेखर के साथ केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनीता तोमर, आलोक यादव तथा कुमुद दूबे के साथ अन्य कर्मचारी गण आदि उपस्थित थे। नाटक के आयोजन हेतु वित्तीय सहायता शकुन्तला चन्द्रा द्वारा अपने बेटे डॉ. मुकुल चन्द्रा की याद में प्रदान की गयी, जो कि डेटन, ओहायो, यूएसए के एक प्रमुख हृदय रोग विशेषण थे, जिनका देहान्त अक्टूबर, 2020 में कोविड–19 के कारण हो गया था।

PRAKRITI MAHAKUMBH
FORESTRY AND ENVIRONMENT AWARENESS CA


PRAKRITI MAHAKU
FORESTRY AND ENVIRONMENT AWARENESS

PRAKRITI MAHAKUMBH


PRAKRITI MAHAKUMBH

PRAKRITI MAHAKUMBH

PRAKRITI MAHAKUMB
FORESTRY AND ENVIRONMENT AWARENESS CA
महाकुंभ

प्रकृति महाकुम

# Drama on theme 'Don't give alms' organized

*AKHAND BHARAT SANDESH*

Prayagraj: A play on the theme 'Don't give alms' was staged on Thursday in the Prakriti Mahakumbh - Forestry and Environment Awareness Camp organized by the Ecological Restoration Centre, Prayagraj. Center head Dr. Sanjay Singh, while welcoming the audience and drama artists who came to the camp, highlighted the main objective of the drama. He said that giving alms to beggars was done to create awareness about addiction, exploitation as well as the increase in organized crime. In the same sequence, he told that through the play, the message has been given that instead of giving money to beggars, we should help in the upliftment of the poor by making them capable through various government schemes and skill development, and by helping them access government schemes. The drama organized was presented by the artists of Backstage, Prayagraj. In these, roles were played effectively by Amar Singh, Anuj Kumar, Pratyush Varsane, Heer, Pradeep Kumar, Pintu Prayagi etc. The program was conducted by Dr. Anubha Srivastava, senior scientist of the center. Pro. Vote of thanks was given by Poonam Mittal.

Renowned theater artist and director Praveen Shekhar along with senior scientists of the center Dr. Anita Tomar, Alok Yadav and Kumud Dubey along with other staff members were present in the program. Financial assistance for organizing the play was provided by Shakuntala Chandra in memory of her son Dr. Mukul Chandra, a leading cardiologist in Dayton, Ohio, USA, who died of COVID-19 in October 2020.

# 'भीख नहीं दें' नाटक का हुआ मंचन, बजी तालियां

**विद्रोही सामना संवाददाता**

प्रयागराज। कुम्भ नगर में पारिस्थितिक पुर्नस्थापन केन्द्र, प्रयागराज द्वारा लगाए गए प्रकृति महाकुम्भ - वानिकी एवं पर्यावरण जागरूकता शिविर में दिनांक 23.01.2025 को 'भीख नहीं...दें' विषय पर नाटक का मंचन किया गया। केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह द्वारा शिविर में आए दर्शकों तथा नाट्य कलाकारों का स्वागत करते हुए नाटक के मुख्य उद्देश्य पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि भिखारियों को भिक्षा देने से व्यसन, शोषण के साथ ही संगठित अपराध में होने वाली वृद्धि के प्रति जागरूकता पैदा करने हेतु किया गया था। इसी क्रम में उन्होंने बताया कि नाटक के माध्यम से यह सन्देश दिया गया है कि भिखारियों को पैसे देने के स्थान पर उन्हें विभिन्न सरकारी योजनाओं तथा कौशल विकास से सक्षम बनाकर, उन्हें सरकारी योजनाओं तक पहुंचने में मदद करके गरीबों के उत्थान में मदद करना चाहिए। आयोजित नाटक को बैकस्टेज, प्रयागराज के कलाकारों द्वारा प्रस्तुत किया गया। इनमें अमर सिंह, अनुज कुमार, प्रत्यूष वर्सने, हीर, प्रदीप कुमार, पिंटू प्रयागी आदि द्वारा प्रभावशाली ढंग से भूमिकाएं निभाई गयी। कार्यक्रम का संचालन केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनुभा श्रीवास्तव द्वारा किया गया। प्रो. पूनम मित्तल द्वारा धन्यवाद ज्ञापन दिया गया। कार्यक्रम में प्रख्यात रंगकर्मी एवं निर्देशक प्रवीण शेखर के साथ केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनीता तोमर, आलोक यादव तथा कुमुद दूबे के साथ अन्य कर्मचारी गण आदि उपस्थित थे। नाटक के आयोजन हेतु वित्तीय सहायता शकुंतला चंद्रा द्वारा अपने बेटे डॉ. मुकुल चंद्रा की याद में प्रदान की गयी, जो कि डेटन, ओहायो, यूएसए के एक प्रमुख हृदय रोग विशेषज्ञ थे, जिनका देहांत अक्टूबर 2020 में कोविड-19 के कारण हो गया था।

# भिखारियों को भीख न दें, बल्कि बनाएं कुशल

**प्रयागराज** : महाकुंभनगर में पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केंद्र की ओर से आयोजित वानिकी एवं पर्यावरण जागरूकता शिविर प्रकृति महाकुंभ में 'भीख नहीं...दें' विषय पर नाटक का मंचन हुआ। मंचन में अमर सिंह, अनुज कुमार, प्रत्यूष वर्सने, हीर, प्रदीप कुमार, पिंटू प्रयागी आदि ने अलग-अलग भूमिका निभाई। केंद्र प्रमुख डा. संजय सिंह ने कहा भिखारियों को पैसे देने के बजाए उन्हें विभिन्न सरकारी योजनाओं और कौशल विकास से सक्षम बनाने की जरूरत है। संचालन केंद्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डा अनुभा श्रीवास्तव ने किया। प्रो. पूनम मित्तल ने आभार जताया। प्रवीण शेखर, डा अनीता तोंमर, आलोक यादव, शकुंतला चंद्रा, कुमुद दूबे मौजूद रहे।

नाटक का मंचन करते कलाकार

● सौजन्य-संगठन

# नाटक में भीख न मांगने का दिया संदेश

महाकुम्भ नगर, संवाददाता। पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केंद्र की ओर सेक्टर एक में स्थित प्रकृति महाकुम्भ वानिकी एवं पर्यावरण जागरूकता शिविर में गुरुवार को नाटक भीख नहीं दें का मचंन किया गया। नाटक की प्रस्तुति बैकस्टेज के कलाकारों ने की। स्वागत संबोधन में केंद्र प्रमुख डॉ.संजय सिंह ने किया।

उन्होंने कहा कि नाटक के माध्यम से भिखारियों को भिक्षा देने से व्यसन, शोषण के साथ ही संगठित अपराध में होने वाली वृद्धि के प्रति जागरूक करना था। इससे यह भी संदेश दिया गया कि भिखारियों को पैसे देने के स्थान पर उन्हें विभिन्न सरकारी योजनाओं और कौशल विकास के माध्यम से मदद करनी चाहिए। कलाकारों में अमर सिंह, अनुज कुमार, प्रत्यूष वर्सने, हीर, प्रदीप कुमार, पिंटू प्रयागी रहे। संचालन केन्द्र की वैज्ञानिक डॉ. अनुभा श्रीवास्तव आभार ज्ञापन प्रो. पूनम मित्तल ने किया।

पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र की ओर से किया गया नाटक का मंचन।

# 'भीख नहीं...दें' विषय पर नाटक का आयोजन

**कार्यालय संवाददाता**

प्रयागराज। कुम्भ नगर में भा.वा.अ.शि.प. - पारिस्थितिक पुर्नस्थापन केन्द्र, प्रयागराज द्वारा लगाए गए प्रकृति महाकुम्भ - वानिकी एवं पर्यावरण जागरूकता शिविर में दिनांक 23.01.2025 को 'भीख नहीं...दें' विषय पर नाटक का मंचन किया गया। केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह द्वारा शिविर में आए दर्शकों तथा नाट्य कलाकारों का स्वागत करते हुए नाटक के मुख्य उद्देश्य पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि भिखारियों को भिक्षा देने से व्यसन, शोषण के साथ ही संगठित अपराध में होने वाली वृद्धि के प्रति जागरूकता पैदा करने हेतु किया गया था। इसी क्रम में उन्होंने बताया कि नाटक के माध्यम से यह सन्देश दिया गया है कि भिखारियों को पैसे देने के स्थान पर उन्हें विभिनन सरकारी योजनाओं तथा कौशल विकास से सक्षम बनाकर, उन्हें सरकारी योजनाओं तक पहुंचने में मदद करके गरीबों के उत्थान में मदद करना चाहिए। आयोजित नाटक को बैकस्टेज, प्रयागराज के कलाकारों द्वारा प्रस्तुत किया गया। इनमें अमर सिंह, अनुज कुमार, प्रत्यूष वर्सने, हीर, प्रदीप कुमार, पिंटू प्रयागी आदि द्वारा प्रभावशाली ढंग से भूमिकाएं निभाई गयी। कार्यक्रम का संचालन केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनुभा श्रीवास्तव द्वारा किया गया। प्रो. पूनम मित्तल द्वारा धन्यवाद ज्ञापन दिया गया। कार्यक्रम में प्रख्यात रंगकर्मी एवं निर्देशक प्रवीण शेखर के साथ केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनीता तोमर, आलोक यादव तथा कुमुद दूबे के साथ अन्य कर्मचारी गण आदि उपस्थित थे। नाटक के आयोजन हेतु वित्तीय सहायता शकुंतला चंद्रा द्वारा अपने बेटे डॉ. मुकुल चंद्रा की याद में प्रदान की गयी, जो कि डेटन, ओहायो, यूएसए के एक प्रमुख हृदय रोग विशेषज्ञ थे, जिनका देहांत अक्टूबर 2020 में कोविड-19 के कारण हो गया था।

# भीख नहीं...दें विषय पर नाटक का आयोजन

**बीके यादव/बालजी दैनिक**

प्रयागराज - कुम्भ नगर में भा.वा.अ.शि.प. - पारिस्थितिक पुर्नस्थापन केन्द्र, प्रयागराज द्वारा लगाए गए प्रकृति महाकुम्भ - वानिकी एवं पर्यावरण जागरूकता शिविर में दिनांक 23.01.2025 को भीख नहीं...दें विषय पर नाटक का मंचन किया गया। केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह द्वारा शिविर में आए दर्शकों तथा नाट्य कलाकारों का स्वागत करते हुए नाटक के मुख्य उद्देश्य पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि भिखारियों को भिक्षा देने से व्यसन, शोषण के साथ ही संगठित अपराध में होने वाली वृद्धि के प्रति जागरूकता पैदा करने हेतु किया गया था। इसी क्रम में उन्होंने बताया कि नाटक के माध्यम से यह सन्देश दिया गया है कि भिखारियों को पैसे देने के स्थान पर उन्हें विभिन्न सरकारी योजनाओं तथा कौशल विकास से सक्षम बनाकर, उन्हें सरकारी योजनाओं तक पहुंचने में मदद करके गरीबों के उत्थान में मदद करना चाहिए। आयोजित नाटक को बैकस्टेज, प्रयागराज के कलाकारों द्वारा प्रस्तुत किया गया। इनमें अमर सिंह, अनुज कुमार, प्रत्यूष वर्सने, हीर, प्रदीप कुमार, पिंटू प्रयागी आदि द्वारा प्रभावशाली ढंग से भूमिकाएं निभाई गयी। कार्यक्रम का संचालन केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनुभा श्रीवास्तव द्वारा किया गया। प्रो. पूनम मित्तल द्वारा धन्यवाद ज्ञापन दिया गया। कार्यक्रम में प्रख्यात रंगकर्मी एवं निर्देशक प्रवीण शेखर के साथ केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनीता तोमर, आलोक यादव तथा कुमुद दूबे के साथ अन्य कर्मचारी गण आदि उपस्थित थे। नाटक के आयोजन हेतु वित्तीय सहायता शकुंतला चंद्रा द्वारा अपने बेटे डॉ. मुकुल चंद्रा की याद में प्रदान की गयी, जो कि डेटन, ओहायो, यूएसए के एक प्रमुख हृदय रोग विशेषज्ञ थे, जिनका देहांत अक्टूबर 2020 में कोविड-19 के कारण हो गया था।